4. Announcement in the University Website

Click Here

Click Here

4. Announcement in the New Papers

कुवि कुलपति ने किया केयू शिक्षकों को सम्मानित

कुरुक्षेत्र, यशबाबू समाचार

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध और शिक्षण के क्षेत्र में कुवि शिक्षक हमेशा अग्रणी हैं और उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को कुवि कैम्पस के यूजी प्रोग्राम्स में पूर्णतया लागू कर दिया है और इसके साथ ही अगले शैक्षणिक सत्र से एनईपी को विश्वविद्यालय से सम्बन्धित सभी कॉलेजों के यूजी प्रोग्राम्स में लागू किया जाएगा। हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विजन के अनुसार और कुवि कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय के मार्गदर्शन में साल 2025 तक कुवि अपने सभी पीजी प्रोग्राम्स में एनईपी को लागू करने के लिए तैयार है। वे शनिवार को विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में वर्ष 2017 से 2022 तक शैक्षणिक व शोध उपलब्धियों के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 129 शिक्षकों को केयू एपलोज पालिसी के तहत् मेडल व सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत करते हुए बोल रहे थे।

कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि अब तक केयू द्वारा 53 पेटेंट दर्ज किए जा चुके हैं और हमारी योजना अधिक से अधिक पेटेंट दर्ज करने की है। विश्वविद्यालय द्वारा पेटेंट फाइल करने हेतु एक आनरेरी प्रोफेसर पेटेंट नियुक्त किया गया है। पेंटेट फाईल करने का सारा खर्च कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाता है। कुवि में शोध एवं अनुसंधान बढ़ावा देने के लिए 7 बैस्ट रिसर्च अवार्ड शुरू किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के मद्देनजर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा 14 आनलाईन प्रोग्रॉम्स शुरू किए गए हैं जिसमें बीए, बीकाम, एमकाम व मास काम सहित जर्मन, जापानी, फ्रैंच, साईबर सिक्योरिटी, एआई प्रोग्राम शामिल हैं। इन ऑनलाइन प्रोग्रामों के माध्यम से विद्यार्थियों की संख्या बढ़ेगी व विश्वविद्यालय को जीरों कोस्ट द्वारा आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी।

पुरस्कार प्राप्त करने वालों में बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश, नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के कुलपति प्रो. एसएस तेवतिया, जीजेयू कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, कुवि कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. अमित काम्बोज को भी 'सर्टिफिकेट आफ ऑनर' से सम्मानित किया गया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह पुरस्कार शिक्षकों को शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजूला चौधरी ने केयू एपलोज पालिसी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्र कल्याण अधिष्ठाता और इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अनिल वशिष्ठ ने अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और शिक्षक वर्ग की ओर से कुलपति द्वारा शिक्षकों के सम्मान हेतु लिए गए कदमों के लिए धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. अर्चना चौधरी ने किया।

इस अवसर पर बीपीएस खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश, नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के कुलपति प्रो. एसएस तेवतिया, केयू कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, प्रो. मंजूला चौधरी, प्रो. दिनेश कुमार, जीजेयू कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. अमित, प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. स्मिता चौधरी, सहित विभिन्न संकायों के डीन, अध्यक्ष व शिक्षक मौजूद थे।

KU honours 129 faculty members

TRIBUNE NEWS SERVICE

KURUKSHETRA, JANUARY 7

Kurukshetra University Vice-Chancellor Prof Som Nath Sachdeva honoured 129 faculty members under "KU Applause Scheme" today at the Senate Hall.

As many as 129 teachers were awarded Certificate of Honour for their academic, literary, and other notable contributions. Seven of them were also given gold medals of appreciation. Under the scheme, the faculty of Kurukshetra UNiversity, which had already been awarded and recognised for its achievements during 2017-2022, were honoured.

Prof Som Nath said, "We are proud of our faculty members who have made significant contribution in making KU an A+ NAAC accredited university. This scheme will further motivate teachers to work in the field of research and development."

Kurukshetra University faculty honoured under KU Applause Scheme on Saturday. TRIBUNE PHOTO

सम्मान • केयू ने एपलोज पॉलिसी के तहत शिक्षकों को दिया पुरस्कार

शोध व शिक्षा के क्षेत्र में काम करने पर 129 शिक्षकों को किया सम्मानित

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में शनिवार को आयोजित समारोह में 2017 से 2022 तक शैक्षणिक व शोध उपलब्धियों के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले केयू के 129 शिक्षकों को केयू एपलोज पॉलिसी के तहत मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। मुख्यातिथि केयू कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध और शिक्षण के क्षेत्र में केयू शिक्षक हमेशा अग्रणी हैं और उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। केयू देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को केयू कैंपस के यूजी प्रोग्राम में पूरी तरह लागू कर दिया है और इसके साथ ही अगले शैक्षणिक सत्र से एनईपी को विश्वविद्यालय से संबंधित सभी कॉलेजों के यूजी प्रोग्राम में लागू किया जाएगा। प्रो. सोमनाथ ने कहा कि अब तक केयू द्वारा 53 पेटेंट दर्ज करवाए जा चुके हैं और हमारी योजना अधिक से अधिक पेटेंट दर्ज करने की है। यूनिवर्सिटी द्वारा पेटेंट फाइल करने के लिए एक ऑनरेरी प्रोफेसर पेटेंट नियुक्त किया है। पेटेंट फाइल करने का सारा खर्च कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाता है। केयू में शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 7 बेस्ट रिसर्च अवॉर्ड भी शुरू किए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के मद्देनजर केयू द्वारा 14 ऑनलाइन प्रोग्राम शुरू किए हैं। जिसमें बीए, बीकॉम, एमकॉम व मास कम्यूनिकेशन सहित जर्मन, जापानी, फ्रेंच, साइबर सिक्योरिटी और एआई प्रोग्राम शामिल हैं।

कुरुक्षेत्र | केयू सीनेट हॉल में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित शिक्षक केयू कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के साथ।

7 शिक्षकों को किया सम्मानित : समारोह में प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. रंजना अग्रवाल, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. एसके चहल, प्रो. ललित गौड़, डॉ. सुरेंद्र मोहन मिश्र व डॉ. महासिंह पुनिया को केयू-एपलोज मेडल से सम्मानित किया। वहीं पुरस्कार प्राप्त करने वालों में बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश, नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के कुलपति प्रो. एसएस तेवतिया, जीजेयू कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, केयू कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. अमित कांबोज को भी सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजुला चौधरी ने केयू एपलोज पॉलिसी के बारे में जानकारी दी। मंच का संचालन डॉ. अर्चना चौधरी ने किया। इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. स्मिता चौधरी, प्रो. शुचिस्मिता और डॉ. दीपक राय बब्बर मौजूद रहे।

शोध और शिक्षण के क्षेत्र में कुवि शिक्षक हमेशा अग्रणी: कुलपति

शैक्षणिक व शोध में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुवि के 129 शिक्षकों को किया सम्मानित

- 2025 तक कुवि अपने सभी पीजी प्रोग्राम्स में एनईपी को लागू करने के लिए तैयार
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अब तक 53 पेटेंट दर्ज किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश को सम्मानित करते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध और शिक्षण के क्षेत्र में कुवि शिक्षक हमेशा अग्रणी हैं और उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को कुवि कैम्पस के यूजी प्रोग्राम्स में पूर्णतया लागू कर दिया है और इसके साथ ही अगले शैक्षणिक सत्र से एनईपी को विश्वविद्यालय से सम्बन्धित सभी कॉलेजों के यूजी प्रोग्राम्स में लागू किया जाएगा। हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विजन के अनुसार और कुवि कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय के मार्गदर्शन में साल 2025 तक कुवि अपने सभी पीजी प्रोग्राम्स में एनईपी को लागू करने के लिए तैयार है। वे शनिवार को विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में वर्ष 2017 से 2022 तक शैक्षणिक व शोध उपलब्धियों के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 129 शिक्षकों को केयू एपलोज पालिसी के तहत मेडल व सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत करते हुए बोल रहे थे। कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि अब तक केयू द्वारा 53 पेटेंट दर्ज किए जा चुके हैं और हमारी योजना अधिक से अधिक पेटेंट दर्ज करने की है। विश्वविद्यालय द्वारा पेटेंट फाइल करने हेतु एक आनरेरी प्रोफेसर पेटेंट नियुक्त किया गया है। पेंटेट फाईल करने का सारा खर्च कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाता है। कुवि में शोध एवं अनुसंधान बढ़ावा देने के लिए 7 बेस्ट रिसर्च अवार्ड शुरू किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के मद्देनजर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा 14 आनलाईन प्रोग्रॉम्स शुरू किए गए हैं जिसमें बीए, बीकाम, एमकाम व मास काम सहित जर्मन, जापानी, फ्रैंच, साईबर सिक्योरिटी, एआई प्रोग्राम शामिल हैं। इन ऑनलाइरन प्रोग्रामों के माध्यम से विद्यार्थियों की संख्या बढ़ेगी व विश्वविद्यालय को जीरों कोस्ट द्वारा आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी।

इन संकाय के शिक्षकों का सम्मान

केयू एपलोज पॉलिसी के तहत कला एवं भाषा संकाय के 12 शिक्षकों, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट संकाय के 11, शिक्षा संकाय के 7, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संकाय के 1, इंडिक स्टडीज संकाय के 14, विधि संकाय के 5, लाईफ साइंस संकाय के 18, फार्मास्यूटिकल साइंसेज संकाय के 4, साइंस संकाय के 43 तथा सोशल साइंस संकाय के 14 शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

7 शिक्षकों को केयू-एपलोज मेडल

इस अवसर पर उन्होने 7 शिक्षकों प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. रंजना अग्रवाल, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. एस.के.चहल, प्रो. ललित गौड़, डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र व डॉ. महा सिंह को केयू-एपलोज मेडल से सम्मानित किया तथा अन्य शिक्षकों को सम्मान पत्र से अलंकृत किया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश, नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के कुलपति प्रो. एसएस तेवतिया, जीजेयू कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, कुवि कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. अमित काम्बोज को भी सर्टिफिकेट आफ ऑनर से सम्मानित किया गया।

आगे बढ़ने को प्रोत्साहित करेगा सम्मान

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह पुरस्कार शिक्षकों को शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजूला चौधरी ने केयू एपलोज पालिसी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्र कल्याण अधिष्ठाता और इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अनिल वशिष्ठ ने अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और शिक्षक वर्ग की ओर से कुलपति द्वारा शिक्षकों के सम्मान हेतु लिए गए कदमों के लिए धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. अर्चना चौधरी ने किया। इस अवसर पर बीपीएस खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश, नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के कुलपति प्रो. एसएस तेवतिया, केयू कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, प्रो. मंजूला चौधरी, प्रो. दिनेश कुमार, जीजेयू कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. अमित, प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. बजेश साहनी, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. स्मिता चौधरी, प्रो. शुचिस्मिता शर्मा, प्रो. पुष्पा रानी, सहित विभिन्न संकायों के डीन, अध्यक्ष व शिक्षक मौजूद थे।

कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने किया केयू शिक्षकों को सम्मानित

⇨ केयू एपलोज पालिसी के तहत प्रदान किए 129 शिक्षकों को पुरस्कार

जगमार्ग न्यूज

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध और शिक्षण के क्षेत्र में कुवि शिक्षक हमेशा अग्रणी हैं और उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को कुवि कैम्पस के यूजी प्रोग्राम्स में पूर्णतया लागू कर दिया है और इसके साथ ही अगले शैक्षणिक सत्र से एनईपी को विश्वविद्यालय से सम्बन्धित सभी कॉलेजों के यूजी प्रोग्राम्स में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विजन के अनुसार और कुवि कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय के मार्गदर्शन में साल 2025 तक कुवि अपने सभी पीजी प्रोग्राम्स में एनईपी को लागू करने के लिए तैयार है। वे शनिवार को विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में वर्ष 2017 से 2022 तक शैक्षणिक व शोध उपलब्धियों के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 129 शिक्षकों को केयू एपलोज पालिसी के तहत् मेडल व सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत करने के दौरान संबोधित कर रहे थे।

कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि अब तक केयू द्वारा 53 पेटेंट दर्ज किए जा चुके हैं और हमारी योजना अधिक से अधिक पेटेंट दर्ज करने की है। विश्वविद्यालय द्वारा पेटेंट फाइल करने हेतु एक आनरेरी प्रोफेसर पेटेंट नियुक्त किया गया है। पेंटेट फाईल करने का सारा खर्च कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाता है। कुवि में शोध एवं अनुसंधान बढावा देने के लिए 7 बेस्ट रिसर्च अवार्ड शुरू किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के मद्देनजर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा 14 आनलाईन प्रोग्रॉम्स शुरू किए गए हैं जिसमें बीए, बीकाम, एमकाम व मास काम सहित जर्मन, जापानी, फ्रैंच, साईबर सिक्योरिटी, एआई प्रोग्राम शामिल हैं। इस अवसर पर उन्होंने 7 शिक्षकों प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. रंजना अग्रवाल, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. एस.के.चहल, प्रो. ललित गौड़, डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र व डॉ. महा सिंह को केयू-एपलोज मेडल से सम्मानित किया तथा अन्य शिक्षकों को सम्मान पत्र से अलंकृत किया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश, नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के कुलपति प्रो. एसएस तेवतिया, जीजेयू कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, कुवि कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. अमित काम्बोज को भी 'सर्टिफिकेट आफ ऑनर' से सम्मानित किया गया।

कुवि एपलोज पालिसी के तहत करीब 125 शिक्षक सम्मानित

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से शनिवार को एपलोज पालिसी के तहत शैक्षणिक और शोध उपलब्धियों के आधार पर 129 शिक्षकों को सम्मानित किया गया है। कुवि के सीनेट हाल में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध और शिक्षण के क्षेत्र में कुवि शिक्षक अग्रणी रहते हुए उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। कुवि देश का पहला विवि है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को कुवि परिसर में स्नातक कक्षाओं में पूरी तरह से लागू कर दिया है। इसके साथ ही अगले शैक्षणिक सत्र से विवि के संबंधित महाविद्यालयों में एनईपी को लागू करने की योजना तैयार कर ली है। उन्होंने इस मौके पर 2017 से 2022 तक शैक्षणिक व शोध उपलब्धियों के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 129 शिक्षकों को कुवि एपलोज पालिसी के तहत मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक कुवि की ओर से 53 पेटेंट दर्ज किए जा चुके हैं। एनईपी के उद्देश्यों के मद्देनजर कुवि की ओर से 14 आनलाइन प्रोग्राम शुरू किए गए हैं। इनमें बीए, बीकाम, एमकाम व मास कम्यूनिकेशन सहित जर्मन, जापानी, फ्रैंच, साइबर सिक्योरिटी व एआई प्रोग्राम शामिल हैं। उन्होंने प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. रंजना अग्रवाल, प्रो. पवन शर्मा सहित सात शिक्षकों को कुवि-एपलोज मेडल से सम्मानित किया तथा अन्य शिक्षकों को सम्मान पत्र से अलंकृत किया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश, गुरु जंभेश्वर तकनीकी विवि हिसार के कुलसचिव डा. अवनीश वर्मा, नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के कुलपति प्रो. एसएस तेवतिया, कुवि कुलसचिव डा. संजीव शर्मा व नेशनल ला यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डा. अमित कांबोज को भी सर्टिफिकेट आफ आनर से सम्मानित किया गया है। कुलसचिव डा. संजीव शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह पुरस्कार शिक्षकों को शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इस अवसर पर प्रो. मंजूला चौधरी, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. ब्रजेश साहनी व प्रो. सुनील ढींगरा, कुटा सचिव डा. जितेंद्र खटकड़ मौजूद रहे।

कुवि के सीनेट हाल में गुरु जंभेश्वर तकनीकी विवि हिसार के कुलसचिव डा. अवनीश वर्मा को सर्टिफिकेट आफ आनर प्रदान करते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा(दाएं से तीसरे)। ● सौजन्य : पीआरओ

इन विभागों के शिक्षकों को मिला सम्मान : कुवि एपलोज पालिसी के तहत कला एवं भाषा संकाय के 12 शिक्षकों, कामर्स एंड मैनेजमेंट संकाय के 11, शिक्षा संकाय के सात, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी संकाय के एक, इंडिक स्टडीज संकाय के 14, विधि संकाय के पांच, लाइफ साइंस संकाय के 18, फार्मास्यूटिकल साइंसेज संकाय के चार, साइंस संकाय के 43 तथा सोशल साइंस संकाय के 14 शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

कुवि कुलपति ने किया केयू शिक्षकों को सम्मानित

केयू एपलोज पालिसी के तहत प्रदान किए 129 शिक्षकों को पुरस्कार

कुरुक्षेत्र/दुग्गल : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध और शिक्षण के क्षेत्र में कुवि शिक्षक हमेशा अग्रणी हैं और उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को कुवि कैम्पस के यूजी प्रोग्राम्स में पूर्णतया लागू कर दिया है और इसके साथ ही अगले शैक्षणिक सत्र से एनईपी को विश्वविद्यालय से सम्बन्धित सभी कॉलेजों के यूजी प्रोग्राम्स में लागू किया जाएगा। हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विजन के अनुसार और कुवि कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय के मार्गदर्शन में साल 2025 तक कुवि अपने सभी पीजी प्रोग्राम्स में एनईपी को लागू करने के लिए तैयार है। वे शनिवार को विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में वर्ष 2017 से 2022 तक शैक्षणिक व शोध उपलब्धियों के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 129 शिक्षकों को केयू एपलोज पालिसी के तहत् मेडल व सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत करते हुए बोल रहे थे। कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि अब तक केयू द्वारा 53 पेटेंट दर्ज किए जा चुके हैं और हमारी योजना अधिक से अधिक पेटेंट दर्ज करने की है। विश्वविद्यालय द्वारा पेटेंट फाइल करने हेतु एक आनरेरी प्रोफेसर पेटेंट नियुक्त किया गया है। पेंटेट फाईल करने का सारा खर्च कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाता है। कुवि में शोध एवं अनुसंधान बढ़ावा देने के लिए 7 बेस्ट रिसर्च अवार्ड शुरू किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के मद्देनजर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा 14 आनलाईन प्रोग्रॉम्स शुरू किए गए हैं जिसमें बीए, बीकाम, एमकाम व मास काम सहित जर्मन, जापानी, फ्रैंच, साईबर सिक्योरिटी, एआई प्रोग्राम शामिल हैं। इन आनलाइन प्रोग्रामों के माध्यम से विद्यार्थियों की संख्या बढ़ेगी व विश्वविद्यालय को जीरों कोस्ट द्वारा आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर उन्होने 7 शिक्षकों प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. रंजना अग्रवाल, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. एस.के.चहल, प्रो. ललित गौड़, डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र व डॉ. महा सिंह को केयू-एपलोज मैडल से सम्मानित किया तथा अन्य शिक्षकों को सम्मान पत्र से अलंकृत किया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश, नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के कुलपति प्रो. एसएस तेवतिया, जीजेयू कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, कुवि कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. अमित काम्बोज को भी सर्टिफिकेट आफ आनर से सम्मानित किया गया।

• बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश को सम्मानित करते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 129 शिक्षक सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

शोध और शिक्षण के क्षेत्र में केयू शिक्षक हमेशा अग्रणी रहे : कुलपति प्रो. सोमनाथ

कुरुक्षेत्र। केयू के सीनेट हॉल में शनिवार को वर्ष 2017 से 2022 तक के शैक्षणिक व शोध उपलब्धियों के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले केयू के 129 शिक्षकों को केयू एपलोज पॉलिसी के तहत मेडल व प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर केयू के कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि शोध और शिक्षण के क्षेत्र में केयू शिक्षक हमेशा अग्रणी रहे हैं और उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। केयू देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को केयू कैंपस के यूजी प्रोग्राम में पूर्णतया लागू कर दिया है और इसके साथ ही अगले शैक्षणिक सत्र से एनईपी को विश्वविद्यालय से संबंधित सभी कॉलेजों के यूजी प्रोग्राम में लागू किया जाएगा।

कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि अब तक केयू द्वारा 53 पेटेंट दर्ज किए जा चुके हैं और हमारी योजना अधिक से अधिक पेटेंट दर्ज करने की है। विश्वविद्यालय द्वारा पेटेंट फाइल करने के लिए एक आनरेरी प्रोफेसर पेटेंट नियुक्त किया गया है। पेटेंट फाइल करने का सारा खर्च कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाता है।

कुवि में शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सात बेस्ट रिसर्च अवॉर्ड शुरू किए जा चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान सात शिक्षकों प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. रंजना अग्रवाल, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. एस.के.चहल, प्रो. ललित गौड़, डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र व डॉ. महा सिंह को केयू-एपलोज मेडल से सम्मानित किया तथा अन्य शिक्षकों को सम्मान पत्र से अलंकृत किया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां सोनीपत की कुलपति प्रो. सुदेश, नीलम यूनिवर्सिटी कैथल के कुलपति प्रो. एसएस तेवतिया, जीजेयू कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, कुवि कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. अमित काम्बोज को भी 'सर्टिफिकेट आफ ऑनर' से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजुला चौधरी ने केयू एपलोज पॉलिसी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में केयू कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, प्रो. मंजुला चौधरी, प्रो. दिनेश कुमार, जीजेयू कुलसचिव डॉ. अवनीश वर्मा, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. अमित, प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. स्मिता चौधरी, प्रो. शुचिस्मिता शर्मा, प्रो. पुष्पा रानी, सहित विभिन्न संकायों के डीन, अध्यक्ष व शिक्षक मौजूद थे।

केयू के सीनेट हॉल में शिक्षकों को प्रमाणपत्र वितरित करते केयू कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा साथ में कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा व अन्य। संवाद

इनको मिला सम्मान

केयू एपलोज पॉलिसी के तहत कला एवं भाषा संकाय के 12 शिक्षकों, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट संकाय के 11, शिक्षा संकाय के सात, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संकाय के एक, इंडिक स्टडीज संकाय के 14, विधि संकाय के पांच, लाइफ साइंस संकाय के 18, फार्मास्यूटिकल साइंसेज संकाय के चार, साइंस संकाय के 43 तथा सोशल साइंस संकाय के 14 शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

पहल • कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी ने घोषित किए 6 कैटेगरी में शिक्षक रिसर्च अवॉर्ड के नाम

6 प्रोफेसर को मिलेंगे बेस्ट रिसर्च अवॉर्ड

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मंगलवार को पहली बार शुरू किए गए शिक्षक रिसर्च अवॉर्ड को प्राप्त करने वाले शिक्षकों के नामों की घोषणा कर दी है। केयू कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि छह कैटेगरी में दिए अवॉर्ड में बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स के लिए बायोटेक्नोलॉजी विभाग के डॉ. जितेंद्र शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर इंपैक्ट में केमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रो. प्रवीन कुमार, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशंस साइंसेज में यूआईईटी के कंप्यूटर साइंस विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. कुलविंद्र सिंह, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशंस नॉन-साइंसेज में टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट की प्रो. व डीन एकेडमिक अफेयर डॉ. मंजुला चौधरी, बेस्ट कोलाबोरेशन में जियोफिजिक्स विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. आरबीएस यादव और बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट नॉन साइंस में आईआईएचएस के एसोसिएट प्रो. डॉ. प्रदीप चौहान का चयन किया है।

बता दें कि केयू ने सात कैटेगरी में रिसर्च अवॉर्ड शुरू किए थे, जिनमें से बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट इन साइंस कैटेगरी में आवेदन न आने के कारण अवॉर्ड नहीं दिया। केयू के डीन रिसर्च एंड डिवेलपमेंट प्रो. पवन शर्मा ने बताया कि अवॉर्ड की छह कैटेगरी के लिए कुल 72 आवेदन प्राप्त हुए थे। केयू के कमेटी रूम में अवॉर्ड की घोषणा के अवसर पर कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. अनिल वोहरा, प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. बीएस बोदला, प्रो. सीसी त्रिपाठी, प्रो. अमित लुधरी, प्रो. शुचिस्मिता, प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. स्मिता चौधरी, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. अरविंद मलिक, प्रो. ब्रजेश साहनी, लोकसंपर्क विभाग के उपनिदेशक डॉ. दीपक राय बब्बर और कुलपति के ओएसडी पवन रोहिला मौजूद रहे।

प्रोत्साहन • सभी चयनित शिक्षकों को मिलेंगे 21-21 हजार रुपए

डॉ. मंजुला चौधरी।

डॉ.आरबीएस यादव।

डॉ. कुलविंदर सिंह।

डॉ. प्रदीप चौहान।

डॉ. प्रवीण कुमार।

डॉ. जितेंद्र शर्मा।

नकद राशि के साथ प्रशस्ति पत्र भी मिलेगा : अवॉर्ड प्राप्त करने वाले प्रत्येक शिक्षक को नकद पुरस्कार के रूप में 21 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसके साथ ही प्रशस्ति पत्र भी मिलेगा। केयू कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि जल्द ही अवॉर्ड प्राप्त करने वाले शिक्षकों का सम्मान समारोह किया जाएगा।

हर साल दिए जाएंगे अवॉर्ड

केयू कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि शोध के क्षेत्र में यूनिवर्सिटी नंबर वन बने, इसी को देखते हुए यूनिवर्सिटी की ओर से पहली बार साइंस व नान साइंस वर्ग के शिक्षकों को सात कैटेगरी में रिसर्च अवॉर्ड दिए हैं। केयू में शिक्षकों को प्रोजेक्ट के लिए ग्रांट तो मिलती थी, लेकिन बेहतर रिसर्च करने पर अवॉर्ड देने का काम पहली बार किया जा रहा है। प्रो. सचदेवा ने कहा कि इन रिसर्च अवाड्र्स को शिक्षकों को बेहतर शोध कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किया है। ताकि शोध के क्षेत्र में केयू भी देश-विदेश के बेहतर विश्वविद्यालयों के साथ शोध की गुणवत्ता के सभी मापदंडों पर खरा उतर सके।

उपलब्धि अवार्ड हासिल करने वाले शिक्षक को मिलेंगे 21 हजार रुपये, शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च अवार्ड किया है शुरू

कुरुक्षेत्र विवि के छह शिक्षकों को मिला रिसर्च अवार्ड

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने शोध को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च अवार्ड की शुरुआत की है। मंगलवार को 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर अलग-अलग शोध कैटेगरी में छह शिक्षकों के नामों की घोषणा की गई। चयनित शिक्षक को 21 हजार रुपये नकद पुरस्कार मिलेगा।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स के लिए बायोटेक्नोलाजी के डा. जितेंद्र शर्मा, बेस्ट रिसर्चर इंपैक्ट में केमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. प्रवीन कुमार, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशंस साईंसेज में यूआइईटी के कंप्यूटर साइंस विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. कुलविन्द्र सिंह, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशंस नान-साईंसेज में टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट की प्रोफेसर डा. मंजुला चौधरी, बेस्ट कोलाब्रेशन में प्रोफेसर डा. आरबीएस यादव और बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट नान साईंस में आइआइएचएस के एसोसिएट प्रो. डा. प्रदीप चौहान को चुना गया है।

डा. प्रदीप । • स्वयं

इंडो-जापान कोलाब्रेशन पर किया कार्य

बेस्ट रिसर्चर नान साइंस अवार्ड में हासिल करने वाले प्रो. प्रदीप चौहान ने इंडो-जापान कोलाब्रेशन पर विशेष कार्य किया है। उन्होंने जापान की टोक्यो यूनिवर्सिटी की प्रो. कुमिका हाबा के साथ एशिया में आपसी व्यापार, नौकरी, आवाजाही व अन्य क्षेत्रों में सभी देशों को एकीकृत करने के लिए कार्य किया है।

डा. कुलविंद्र सिंह।

इंटरनेट पर बनी फेक आइडी को पकड़ने में मिलेगी मदद

यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के कंप्यूटर साइंस विभाग के डा. कुलविंद्र सिंह ने इंटरनेट मीडिया पर और ई-कामर्स के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों पर बनाई गई फर्जी आइडी को पकड़ने के लिए साफ्टवेयर पर काम किया है।

प्रो.जितेंद्र शर्मा। • स्वयं

इंडस्ट्री में पर्यावरण प्रदूषण कम करने वाले एंजाइम पर कार्य

बायोटेक्नोलाजी के डा. जितेंद्र शर्मा उद्योगों से फैलने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए कई तरह के एंजाइम पर काम कर रहे हैं। इन एंजाइम पर रिसर्च से प्रदूषण रहित तकनीकी को विकसित किया जा सकता है।

डा. आरबीएस यादव।

भूकंप और सुनामी जैसी आपदा के नुकसान को कम करने का प्रयास

जियोफिजिक्स विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. आरबीएस यादव भूकंप और सुनामी जैसी आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए कार्य कर रहे हैं। वह भूकंप व सुनामी संभावित क्षेत्रों के लिए रिसर्च के आधार पर रिपोर्ट तैयार करते हैं।

KU best researcher awards announced

KURUKSHETRA, JANUARY 25

Kurukshetra University Vice-Chancellor Prof Som Nath Sachdeva today announced the names of six faculty members who have won the recently instituted annual Best Researcher Awards for 2020.

As per the university, Best Researcher Award (H-index) category has been given to Dr Jitender Sharma, Prof Department of Biotechnology; Best Researcher (Impact) has been given to Dr Parvin Kumar, Associate Prof Department of Chemistry; Best Researcher: Publications (Sciences) to Dr Kulvinder Singh, Assistant Prof Department of Computer Science; Best Researcher: Publications (Non-Sciences) to Dr Manjula Chaudhary, Prof Department of Tourism and Hotel Management; Best Researcher (Collaboration) to Dr RBS Yadav, Assistant Professor, Department of Geophysics; and Best Researcher: Projects (Non-Sciences) to Dr Pardeep S Chauhan, Associate Professor, Institute of Integrated and Honours Studies.

Each award carries a cash prize of Rs 21,000 and a certificate. A ceremony will be held soon to bestow the awards upon the winners.

Prof Som Nath said: "There is immense potential in our faculty members and these awards will help researchers harness their potential in a better way." —TNS

कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने 6 शोध कैटेगरी में कुवि शिक्षकों के लिए घोषित किए रिसर्च अवार्ड

डॉ. राजेश वधवा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध के क्षेत्र में यूनिवर्सिटी नम्बर वन बने, इसी को देखते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से पहली बार साइंस व नान साइंस वर्ग के शिक्षकों को सात कैटेगरी में रिसर्च अवार्ड दिए गए हैं। केयू में शिक्षकों को प्रोजेक्ट के लिए ग्रांट तो मिलती थी लेकिन बेहतर रिसर्च करने पर अवार्ड देने का काम पहली बार किया जा रहा है। वे मंगलवार को 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर विश्वविद्यालय के कमेटी रूम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों को 6 शोध कैटेगरी में अवार्ड घोषित करते हुए बोल रहे थे।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि इन रिसर्च अवार्डस को शिक्षकों को बेहतर शोध कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है ताकि शोध के क्षेत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय भी देश-विदेश के बेहतर विश्वविद्यालयों के साथ शोध की गुणवत्ता के सभी मापदंडों पर खरा उतर सके। अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रत्येक शिक्षक को 21 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। यह अवार्ड शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को हर वर्ष प्रदान किए जाएंगे। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि यह अवार्ड शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने में मदद करेगा जिससे विश्वविद्यालय के छात्रों में भी नवाचार की भावना पैदा होगी।

छह कैटेगरी में दिए गए अवार्ड में बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स के लिए बायोटेक्नोलॉजी के डॉ जितेन्द्र शर्मा को, बेस्ट रिसर्चर इम्पैक्ट में केमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. परवीन कुमार, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन्स साइंसिज में यूआईईटी के कम्प्यूटर साइंस विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. कुलविन्द्र सिंह, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन्स नॉन-साइंसिज में टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट की प्रोफेसर डॉ. मंजुला चौधरी, बेस्ट कोलाब्रेशन में जियोफिजिक्स विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. आरबीएस यादव तथा बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट नॉन साइंस में आईआईएचएस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रदीप एस चौहान को चुना गया है।

इस मौके पर कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजुला चौधरी, प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. अनिल वोहरा, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. बीएस बोदला, प्रो. सीसी त्रिपाठी, प्रो. अमित लुधरी, प्रो. शुचिस्मिता, प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. स्मिता चौधरी, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. अरविन्द्र मलिक, प्रो. ब्रजेश साहनी, लोक सम्पर्क विभाग के उपनिदेशक डॉ. दीपक राय बब्बर व कुलपति के ओएसडी पवन कुमार मौजूद थे।

अवार्ड प्राप्त करने वाले शिक्षक को मिलेगा 21 हजार रुपए का नकद पुरस्कार

6 शोध कैटेगरी में कुवि शिक्षकों के लिए घोषित किए रिसर्च अवार्ड

डॉ जितेन्द्र शर्मा

डॉ. परवीन कुमार

डॉ. कुलविन्द्र सिंह

डॉ. मंजुला चौधरी

डॉ. आरबीएस यादव

डॉ. प्रदीप एस चौहान

कुरु क्षेत्र, 25 जनवरी (जसबीर दुग्गल) : कुरु क्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध के क्षेत्र में यूनिवर्सिटी नम्बर वन बने, इसी को देखते हुए कुरु क्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से पहली बार साइंस व नान साइंस वर्ग के शिक्षकों को सात कैटेगरी में रिसर्च अवार्ड दिए गए हैं। केवू में शिक्षकों को प्रोजेक्ट के लिए ग्रांट तो मिलती थी लेकिन बेहतर रिसर्च करने पर अवार्ड देने का काम पहली बार किया जा रहा है। वे मंगलवार को 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर विश्वविद्यालय के कमेटी रूम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों को 6 शोध कैटेगरी में अवार्ड घोषित करते हुए बोल रहे थे। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि इन रिसर्च अवार्डस को शिक्षकों को बेहतर शोध कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है ताकि शोध के क्षेत्र में कुरु क्षेत्र विश्वविद्यालय भी देश-विदेश के बेहतर विश्वविद्यालयों के साथ शोध की गुणवत्ता के सभी मापदंडों पर खरा उतर सके। अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रत्येक शिक्षक को 21 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। यह अवार्ड शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को हर वर्ष प्रदान किए जाएंगे। कुवि के डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. पवन शर्मा ने बताया कि अवार्ड के लिए कुल 72 आवेदन प्राप्त हुए थे। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजुला चौधरी, प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. अनिल खोहरा, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. बीएस बोदला, प्रो. सीमी त्रिपाठी, प्रो. अमित लुधरी, प्रो. शुचिस्मिता, प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. स्मिता चौधरी, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. अरविन्द मलिक, प्रो. ब्रजेश साहनी, लोक सम्पर्क विभाग के उपनिदेशक डॉ. दीपक राय बब्बर व कुलपति के ओएसडी पवन कुमार मौजूद थे।

कुवि शिक्षकों के लिए घोषित किए रिसर्च अवार्ड

डॉ जितेन्द्र शर्मा।

डॉ. परवीन कुमार

डॉ. कुलविन्द्र सिंह

डॉ. मंजुला चौधरी।

- अवार्ड प्राप्त करने वाले शिक्षक को मिलेगा 21 हजार रुपये

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध के क्षेत्र में यूनिवर्सिटी नम्बर वन बने, इसी को देखते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से पहली बार साइंस व नान साइंस वर्ग के शिक्षकों को सात कैटेगरी में रिसर्च अवार्ड दिए गए हैं।

केयू में शिक्षकों को प्रोजेक्ट के लिए ग्रांट तो मिलती थी लेकिन बेहतर रिसर्च करने पर अवार्ड देने का काम पहली बार किया जा रहा है। वे मंगलवार को 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर विश्वविद्यालय के कमेटी रूम में

डॉ. आरबीएस यादव।

डॉ. प्रदीप एस चौहान।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों को 6 शोध कैटेगरी में अवार्ड घोषित करते हुए बोल रहे थे। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि इन रिसर्च अवार्डस को शिक्षकों को बेहतर शोध कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है ताकि शोध के क्षेत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय भी देश-विदेश के बेहतर विश्वविद्यालयों के साथ शोध की गुणवत्ता के सभी मापदंडों पर खरा उतर सके।

प्रोत्साहित किया

अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रत्येक शिक्षक को 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। यह अवार्ड शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को हर वर्ष प्रदान किए जाएंगे। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि यह अवार्ड शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने में मदद करेगा जिससे विश्वविद्यालय के छात्रों में भी नवाचार की भावना पैदा होगी। इस कैटेगरी में दिए गए अवार्ड में बेस्ट रिसर्च एज इंडेक्स के लिए बायोटेक्नोलॉजी के डॉ जितेन्द्र शर्मा को, बेस्ट रिसर्च इम्पैक्ट में केमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. परवीन कुमार, बेस्ट रिसर्च पब्लिकेशन्स साइंसिज में यूआईईटी के कम्प्यूटर साइंस विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. कुलविन्द्र सिंह, बेस्ट रिसर्च पब्लिकेशन्स नॉन-साइंसिज में टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट की प्रोफेसर डॉ. मंजुला चौधरी, बेस्ट कोलाबोरेशन में जियोफिजिक्स विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. आरबीएस यादव तथा बेस्ट रिसर्च प्रोजेक्ट नॉन साइंस में आईआईएसईआर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रदीप एस चौहान को चुना गया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र
(Established by the State Legislature Act XII of 1956)
(A+ Grade, NAAC Accredited)

(Established by the State
(A+ Grade, NA
आजादी के अमृ

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र
(Established by the State Legislature Act XII of 1956)
(A+ Grade, NAAC Accredited)

(Established by
(A+ Grade
आजादी के
दिवस

(Established by
(A+ Grade,
आजादी के
दिवस

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र
(Established by the State Legislature Act XII of 1956)
(A+ Grade, NAAC Accredited)

आजादी के

केयू के 7 शिक्षकों को मिलेंगे रिसर्च अवॉर्ड

अवॉर्ड प्राप्त करने वाले शिक्षकों को मिलेंगे 21-21 हजार के नकद पुरस्कार

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

• केयू शोध को उच्च स्तर तक ले जाने का प्रयास है

डॉ. सुनीता

डॉ. प्रवीण।

डॉ. कुलविंदर।

प्रो. पवन शर्मा।

डॉ. विजय।

डॉ. प्रदीप।

प्रो. महावीर।

कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी ने मंगलवार को 7 शोध कैटेगरी में शिक्षकों के लिए रिसर्च अवार्ड की घोषणा की। केयू कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बने, इसी को देखते हुए साइंस व नॉन साइंस वर्ग के शिक्षकों को 7 कैटेगरी में रिसर्च अवॉर्ड दिए जाएंगे। इन रिसर्च अवॉर्ड की शुरुआत पिछले साल की गई थी। इससे पहले केयू में शिक्षकों को प्रोजेक्ट के लिए ग्रांट तो मिलती थी लेकिन बेहतर रिसर्च करने पर अवार्ड नहीं मिलता था। प्रो. सोमनाथ ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने कई पहल की हैं जिनमें दो लाख तक की ग्रांट केयू के 50 संकाय सदस्यों को छोटी परियोजनाओं के लिए दी गई है। अब तक केयू के पास 26 पेटेंट हैं और हमारी योजना इस साल दिसंबर 2022 तक अधिक से अधिक पेटेंट दर्ज करने की है। विश्वविद्यालय द्वारा पेटेंट फाइल करने के लिए एक ऑनरेरी प्रोफेसर पेटेंट नियुक्त किया गया है। पेटेंट फाइल करने का सारा खर्च कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाता है। कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए व शोध को उच्च स्तर तक ले जाने के लिए प्रयास कर रहा है। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजुला चौधरी, प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. अनिल वोहरा, प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. रवि भूषण, प्रो. अजीत चहल, प्रो. अरविंद मलिक, प्रो. दिनेश कुमार और प्रो. जितेंद्र शर्मा मौजूद थे।

एच इंडेक्स के लिए केमिस्ट्री विभाग के प्रो. पवन कुमार शर्मा, बेस्ट रिसर्चर इंपेक्ट में केमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रो. परवीन कुमार, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशंस (साइंसेज) में यूआईईटी के कंप्यूटर साइंस विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. कुलविंद्र सिंह, बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशंस (नॉन-साइंसेज) में कॉमर्स विभाग के प्रोफेसर महाबीर नरवाल, बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट्स (साइंसेज) में बायो टेक्नोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रो. डॉ. सुनीता दलाल, बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट्स (नॉन साइंस) में आईआईएचएस के प्रोफेसर प्रदीप चौहान और बेस्ट रिसर्चर कोलाबरेशन में फिजिक्स विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विजय कुमार को चुना गया है।

KU announces Best Researcher Awards-2021

TRIBUNE NEWS SERVICE

KURUKSHETRA, AUGUST 30

Kurukshetra University Vice-Chancellor Prof Som Nath Sachdeva on Tuesday announced the names of seven faculty members who have won the annual Best Researcher Awards for 2021.

The Director, Public Relations of KU, Prof Brajesh Sawhney, informed that the Best Researcher Award H-index category has been given to Dr Pawan Sharma, Prof department of chemistry; Best Researcher (Impact) has been given to Dr Parvin Kumar, associate professor, department of chemistry; Best Researcher Publications (sciences) to Dr Kulvinder Singh, assistant professor, department of computer science; Best Researcher: Publications (non-sciences) to Dr Mahabir Narwal, professor, department of commerce; and Best Researcher (project science) to Dr Sunita Dalal, associate professor, department of biotechnology.

Similarly, Best Researcher: Projects (non-sciences) to Dr Pardeep S Chauhan, professor, department of economics of the Institute of Integrated and Honours Studies and Best Researcher (collaboration) to Dr Vijay Kumar, assistant professor, department of physics of the Institute of Integrated and Honours Studies.

Each award carries a cash prize of Rs 21,000 and a certificate. A ceremony will be held soon to bestow the awards to the winners.

Kurukshetra University best researcher awards announced

KURUKSHETRA, AUG 30

Kurukshetra University Vice-Chancellor Prof Som Nath Sachdeva on Tuesday announced the names of seven faculty members who have won annual Best Researcher Awards for 2021. KU spokesperson Prof Brajesh Sawhney informed that Best Researcher Award H-index category has been given to Dr Pawan Sharma, Prof Department of Chemistry; Best Researcher (Impact) has been given to Dr Parvin Kumar, Associate Prof Department of Chemistry; Best Researcher Publications (Sciences) to Dr Kulvinder Singh, Assistant Prof Department of Computer Science; Best Researcher: Publications (Non-Sciences) to Dr Mahabir Narwal, Prof Department of Commerce; Best Researcher (Project Science) to Dr Sunita Dalal, Associate Professor, Department of Biotechnology; and Best Researcher: Projects (Non-Sciences) to Dr Pardeep S Chauhan, Professor, Department of Economics of Institute of Integrated and Honours Studies and Best Researcher (Collaboration) to Dr Vijay Kumar, Assistant Professor, Department of Physics of Institute of Integrated and Honours Studies. Each award carries a cash prize of Rs 21,000 and a certificate. A ceremony will be held soon to bestow the awards upon the winners.

2 लाख तक की ग्रांट कुवि के 50 संकाय सदस्यों को दी

7 शोध कैटेगरी में घोषित किए रिसर्च अवार्ड

हरिभूमि न्यूज >> कुरुक्षेत्र

कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध के क्षेत्र में विवि की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनें, इसी को देखते हुए कुवि की ओर से साइंस व नान साइंस वर्ग के शिक्षकों को सात कैटेगरी में रिसर्च अवार्ड गत वर्ष से शुरू किए गए थे।

केयू में शिक्षकों को प्रोजेक्ट के लिए ग्रांट तो मिलती थी लेकिन बेहतर रिसर्च करने पर अवार्ड देकर विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें सम्मानित व प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है। वे मंगलवार को विश्वविद्यालय के कमेटी रूम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों को 7 शोध कैटेगरी में अवार्ड घोषित करते हुए बोल रहे थे। कुलपति

प्रो. सोमनाथ ने कहा कि कुवि ने कई पहल की हैं जिनमें 2 लाख तक की ग्रांट कुवि के 50 संकाय सदस्यों को छोटी परियोजनाओं के लिए दी है।

सात कैटेगरी में दिए गए अवार्ड में बेस्ट रिसर्चर : एच इंडेक्स के लिए कैमिस्ट्री विभाग के प्रोफेसर पवन कुमार शर्मा, बेस्ट रिसर्चरः इम्पैक्ट में केमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. परवीन कुमार, बेस्ट रिसर्चरः पब्लिकेशन्स में यूआईईटी के कम्प्यूटर साइंस विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. कुलविन्द्र सिंह, बेस्ट रिसर्चरः पब्लिकेशन्स में कामर्स विभाग के प्रोफेसर महावीर नरवाल, बेस्ट रिसर्चरः प्रोजेक्टस में बायोटेक्नोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनीता दलाल, बेस्ट रिसर्चरः प्रोजेक्टस (नॉन साइंस) में आईआईएचएस के प्रोफेसर प्रदीप एस चौहान तथा बेस्ट रिसर्चरः कोलाबोरेशन में फिजिक्स विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विजय कुमार को चुना गया है। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजुला चौधरी, प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. अनिल वोहरा, प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. रवि भूषण आदि मौजूद रहे।

शोध कैटेगरी में कुवि के सात शिक्षकों का रिसर्च अवार्ड के लिए चयन

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में दूसरी बार अलग-अलग शोध कैटेगरी में अवार्ड के लिए सात शिक्षकों को चयनित किया गया है। इन चयनित शिक्षकों कुवि प्रशासन की ओर से अवार्ड के रूप में 21 हजार रुपये नकद प्रदान किए जाएंगे। कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने सभी चयनित शिक्षकों को बधाई दी है।

प्रो. पवन शर्मा। • जागरण आर्काइव

डा. प्रवीण कुमार। • जागरण आर्काइव

डा. कुलविंद्र सिंह। • जागरण आर्काइव

प्रो. महावीर सिंह। • जागरण आर्काइव

डा. प्रदीप चौहान। • जागरण आर्काइव

डा. विजय कुमार। • जागरण आर्काइव

डा. सुनीता दलाल। • जागरण आर्काइव

उन्होंने कहा कि शोध के क्षेत्र में विवि की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बने, इसी को देखते हुए साइंस व नान साइंस वर्ग के शिक्षकों को सात कैटेगरी में रिसर्च अवार्ड शुरू किए गए हैं। उन्होंने मंगलवार को कमेटी रूम में इन अवार्ड की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने कई पहल की है। इनमें दो लाख तक की ग्रांट कुवि के 50 संकाय सदस्यों को छोटी परियोजनाओं के लिए दी गई है। अब तक इस विश्वविद्यालय के पास 26 पेटेंट हैं और इसी साल दिसंबर 2022 तक अधिक से अधिक पेटेंट दर्ज करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की ओर से पेटेंट फाइल करने के लिए एक आनरेरी प्रोफेसर पेटेंट नियुक्त किया गया है। पेटेंट फाइल करने का सारा खर्च कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से वहन किया जाता है। कुलसचिव डा. संजीव शर्मा ने भी अवार्ड के लिए चयनित सभी शिक्षकों को बधाई दी है। इस मौके पर डीन एकेडेमिक अफेयर्स प्रो. मंजुला चौधरी, प्रो. अनिल वशिष्ठ, प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. पवन शर्मा, प्रो. सुनील ढींगरा व प्रो. दिनेश कुमार मौजूद रहे।

अवार्ड के लिए चयनित शिक्षकों के नाम व विभाग

एच इंडेक्स के लिए केमिस्ट्री विभाग के प्रो. पवन कुमार शर्मा, इम्पेक्ट में केमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. प्रवीण कुमार, पब्लिकेशंस (साइंसिज) में यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड आनर्स स्टडीज (यूआईईटी) के कंप्यूटर साइंस विभाग से डा. कुलविन्द्र सिंह, पब्लिकेशंस (नान-साइंसिज) में कामर्स विभाग के प्रो. महावीर नरवाल, प्रोजेक्टस (साइंसिज) में बायोटेक्नोलाजी विभाग से डा. सुनीता दलाल, प्रोजेक्ट्स (नान साइंस) में इंस्टिट्यूट आफ इंटिग्रेटिड एंड आनर्स स्टडीज (आइआइएचएस) के प्रो. प्रदीप चौहान तथा कोलाबोरेशन में फिजिक्स विभाग के डा. विजय कुमार शामिल हैं।